# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 अंक-15 नवम्बर-I-2018 ( पाक्षिक ) माउण्ट आबू Rs. 10.00


**भारत की धरती से दुनिया को संदेश...** राजनाथ सिंह ने कहा - 'जियो और जीने दो' की भावना ही विश्व का कल्याण करेगी

# वैश्विक सम्मेलन की चार बड़ी बातें - मन को बड़ा रखो, मीठा बोलो, शाकाहारी बनो और प्रकृति से उतना ही लो जितनी ज़रूरत है

**सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा बोले - यहाँ की पवित्रता अध्यात्म से परिपूर्ण करने में करती है मदद**

**ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से 'विज्ञान, अध्यात्म और पर्यावरण' पर वैश्विक सम्मेलन का आयोजन, विश्व के 140 देशों से पहुंचे लोग**

**जीवन में बड़े मन से ही बड़ा कार्य हो सकता है... संस्था मानव ही नहीं जीव जन्तुओं की भी चिंता कर रही है... यहाँ से बड़ा मन करने की शिक्षा दी जा रही है - गृहमंत्री राजनाथ सिंह।**

**शाकाहारी भोजन को बताया सबसे उत्तम... राजयोग मेडिटेशन मेरी दिनचर्या में शामिल - अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पूर्व पत्नी व टीवी एक्ट्रेस मारला मैपल।**

**शांतिवन।** ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू के शांतिवन में 'वैश्विक शिखर सम्मेलन' का भव्य आयोजन हुआ। 'अध्यात्म, विज्ञान और पर्यावरण' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में भारत सहित विश्व के 140 देशों से मेहमानों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में **गृहमंत्री राजनाथ सिंह** ने अपने वक्तव्य में मन, अध्यात्म, विज्ञान और भारतीय संस्कृति पर बात की। उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ा काम करने के लिए बड़ा मन होना ज़रूरी है। छोटे मन का व्यक्ति बड़ा काम नहीं कर सकता है। जितना बड़ा आपका मन होगा उतनी ही जीवन में आनंद की मात्रा बढ़ती चली जाएगी। गिरिजाघर में केवल जाकर प्रार्थना करने से व्यक्ति आध्यात्मिक नहीं होता है। जितना वह बड़ा करता चला जाता है उतनी जीवन में आध्यात्मिक ऊंचाइयों को छूता जाता है। मंदिर में पूजा अर्चना, मस्जिद में इबादत करने के साथ मन बड़ा करने की ज़रूरत है। जिसका मन जितना बड़ा होगा वह उतना ही आध्यात्मिक होगा। ब्रह्माकुमारी संस्थान में बड़ा मन करने की शिक्षा दी जाती है। संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी और दादी रतनमोहिनी जी का कितना बड़ा दिल होगा जो इतने बड़े परिवार को संभाल कर रखा है। साथ ही इतनी बहनों को साथ लेकर विश्व के 146 देशों में खड़ा कर दिया। जो काम सरकार नहीं कर सकती वो ब्रह्माकुमारी संस्थान कर रहा है।

गृहमंत्री सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने छोटी छोटी बातों पर चिंता ज़ाहिर की है।

- शेष पेज 3 पर

दादी जी के साथ 'वैश्विक शिखर सम्मेलन' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए गृहमंत्री राजनाथ सिंह, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा, एक्ट्रेस मारला मैपल, मंत्री ओटाराम देवासी, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. मृत्युंजय तथा अन्य।

## राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भेजा बधाई पत्र...

महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामना संदेश भेजा। खुशी ज़ाहिर करते हुए उन्होंने इसे बहुत ही उपयोगी और सार्थक बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई पत्र भेज कर हर्ष जताया। पत्र में लिखा है... विश्व सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संस्थान को डायनेमिक वर्ल्ड लीडर अवॉर्ड लेने की मुबारक देता हूँ। विज्ञान एवं अध्यात्म के सामंजस्य से ही मानवता का स्थिर भविष्य संभव है। इस तालमेल में पर्यावरण भी अति महत्वपूर्ण है। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व भर की आत्माओं का आध्यात्मिक रूप से आंतरिक बदलाव का कार्य कर रहा है। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि इस मंच से विश्व शांति का संदेश जाएगा।

## यहाँ की पवित्रता अध्यात्म से परिपूर्ण करने में करती है मदद

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा ने कहा कि विश्वव्यापी संगठन ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सेवाएं मानव को सही दिशा में ले जा रही हैं। संसार को जिस शांति की ज़रूरत है, उस वातावरण का निर्माण यहाँ से हो रहा है। कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो ये शब्द यहाँ मंत्र की तरह कार्य करते हैं। पवित्रता आत्मा की मूल संपदा है। यहाँ से मन, बुद्धि और कर्मों को शांति के पथ पर ले जाने के लिए आध्यात्मिकता की शिक्षा दी जा रही है। संस्था की पवित्रता हर मानव को अध्यात्म से परिपूर्ण करने में मदद करती है। इस संस्था की पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्य सामाजिक गतिविधियां काबिले तारीफ हैं। अर्जुन और श्रीकृष्ण के वास्तविक संवाद का रहस्य समझने की ज़रूरत है जो यहाँ पर स्पष्टीकरण हो रहा है। परमात्म शक्ति से स्वयं को चार्ज करने के लिए स्व के अंदर सोल पॉवर को जानना ज़रूरी है।

दादी रतनमोहिनी माननीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। साथ हैं कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय।

दादी रतनमोहिनी सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस माननीय दीपक मिश्रा को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। साथ हैं कार्यकारी सचिव ब्र.कु .मृत्युंजय।

## विज्ञान और अध्यात्म एक दूसरे के पूरक हैं - गृहमंत्री

गृहमंत्री सिंह ने कहा कि हमारे देश के ऋषि मुनियों ने ही शून्य का आविष्कार किया और अध्यात्म की खोज की। विज्ञान, अध्यात्म और धर्म ये एक दूसरे के विपरीत हैं, ये अवधारणा विदेशों की है। भारत की अवधारणा है विज्ञान और अध्यात्म दोनों एक दूसरे के पूरक हैं और एक हैं। चरक, आरोहक, सुषुप्त, आर्यभट्ट ऋषि थे और उतने ही बड़े साइंटिस्ट भी थे।

## यहाँ से दिया जा रहा है शांति का संदेश - टीवी एक्ट्रेस मारला मैपल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पूर्व पत्नी, टी.वी. एक्ट्रेस व सिंगर मारला मैपल ने कहा कि अमेरिका इन दिनों कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। लेकिन हमारे आस पास के बेहतरीन लोग और दोस्त जीवन को आनंद से भर देते हैं। यहाँ से सभी को शांति का संदेश दिया जा रहा है। मैंने कुंडलिनी योग, ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग मेडिटेशन और शाकाहारी भोजन को अपनी दिनचर्या में शामिल किया है। मैंने कई तरह का भोजन किया है, लेकिन शाकाहारी सबसे उत्तम है। मांसाहार से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। हम सब मिलकर ही इस दुनिया को आगे ले जा सकते हैं। मुझे यहाँ घर जैसा अनुभव हो रहा है। यहाँ सभी में समानता और एकता का भाव दिखा।

## प्रकृति से उतना ही लें जितनी ज़रूरत हो - पद्मश्री साराभाई

अहमदाबाद के सेंटर फॉर एन्वायरन्मेंट एजुकेशन के फाउंडर, डायरेक्टर व साइंटिस्ट पद्मश्री डॉ. कार्तिकेय साराभाई ने कहा कि हमें पर्यावरण की रक्षा करने के लिए अपनी पुरानी परंपरा और नई तकनीकी को साथ लेकर चलना होगा। मनुष्य समझता है कि पूरी प्रकृति केवल उसके इस्तेमाल के लिए है, ये सोच ठीक नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा था, हमें ट्रस्टी होकर वस्तुओं का इस्तेमाल करना होगा। ब्रह्मा बाबा ने वर्षों पहले अपनी दिव्य दृष्टि से एटॉमिक, प्राकृतिक जैसे तीन तरह के विनाश देख लिए थे, वही आज हम सामने देख रहे हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए हमें प्रकृति से उतना ही लेना होगा, जितनी ज़रूरत है। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी परंपरा और तकनीक को साथ लेकर चलने के कारण चैम्पियन ऑफ द वर्ल्ड का सम्मान मिल रहा है।